| President's Message. |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | Sole |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | payment would not be desirable, it |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| fortune that may be coveted, freedom of the press and school, and a revenue flowing into the treasury beyond the |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | and received. I earnestly recommend to you, then, such legislation as will be |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | dra |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | $\begin{aligned} & \text { circulation all currency so redeemed } \\ & \text { until sold again for gold. The vast re } \end{aligned}$ |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | now due may be replaced in bonds bear- ing at a rate of interest zot exceeding |  |  |  |  |  |
|  | $4 \frac{1}{2}$ per cent, and rapidly as the remain-der becomes due, that they may be re-placed in the same way. To accomplish |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | creasing the rate at which the curren- <br> cy will be bought and sold, from day to day, or week to week, at the same |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | expedient now. I suggest the post- ponement of this question cintil the next meeting of Congress. |  |  |  |  |  |
|  | It may be advisable to molify taxation and tariff in instances where unjust or burdensome discriminations are made |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | present. I also suggest a renewal of the tax on incomes, but a reduced rate |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | Nwith tho furiong of tion national |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | panish government assured the Uni- |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | dind |  |  |  |  |  |
|  |  |  | 为 |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | now is the only grave question which the United States has with any foreign |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | the treaty of $17: 25$. This proelamation,hówsver, was immediately withdrawn. |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | eports of the Seeretary of the Interior nd the Commisioner of Indian $A$. |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |

